PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, सोमवार 15, जून, 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

बंद मकान से 35 तोला सोना और एक लाख नकदी चोरी, पुलिस जांच में जुटी

अलीगढ़। थाना लोधा क्षेत्र के खेरेश्वर महादेव मंदिर के निकट स्थित श्रीराम कॉलोनी में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस, फॉरेंसिक टीम, एसओजी और सर्विलांस टीम मामले की जांच में जुटी हुई हैं। जानकारी के अनुसार, मूल रूप से थाना गोंडा क्षेत्र के मुड़िया गांव निवासी सत्येंद्र कुमार शिक्षा विभाग में प्रधानाध्यापक हैं और कई वर्षों से अपने परिवार के साथ श्रीराम कॉलोनी में रह रहे हैं। 30 मई को पुत्र की तबीयत खराब होने के कारण पूरा परिवार गांव चला गया था। इस दौरान मकान बंद था, हालांकि परिजन समय-समय पर उसकी देखरेख के लिए आते रहे।

रविवार सुबह पड़ोसियों ने मकान का मुख्य ताला टूटा देखा और इसकी सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचने पर परिवार के लोगों ने पाया कि मुख्य दरवाजे से लेकर कमरों और अलमारी तक के ताले टूटे हुए थे। घर का सामान बिखरा पड़ा था, जबकि आभूषणों के खाली डिब्बे पास के एक खाली प्लॉट में मिले।

पीड़ित सत्येंद्र कुमार के अनुसार चोर करीब 35 तोला सोना, लगभग आधा किलो चांदी के आभूषण तथा एक लाख रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत 80 से 90 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही थाना लोधा पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए, जबकि एसओजी और सर्विलांस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। सीओ गभाना महेश कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

अलीगढ़: आज गांव पहुंचेगा बलिदानी जितेंद्र शर्मा का पार्थिव शरीर, बेटे की शहादत से अब भी अनजान हैं मां

अलीगढ़। असम के जोरहाट एयरबेस पर हुए वायुसेना के विमान हादसे में बलिदान हुए टप्पल क्षेत्र के वीर सपूत सार्जेंट जितेंद्र शर्मा का पार्थिव शरीर सोमवार को उनके पैतृक गांव सालपुर लाया जाएगा। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और अंतिम विदाई की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जानकारी के अनुसार, भारतीय वायुसेना में सार्जेंट पद पर तैनात 31 वर्षीय जितेंद्र शर्मा शनिवार को असम के जोरहाट में हुए विमान हादसे में बलिदान हो गए थे। उनका पार्थिव शरीर सोमवार दोपहर हिंडन एयरफोर्स स्टेशन गाजियाबाद पहुंचेगा, जहां से सैन्य वाहन द्वारा यमुना एक्सप्रेस-वे होते हुए पैतृक गांव सालपुर लाया जाएगा। परिजनों के अनुसार जितेंद्र की मां राजेश्वरी देवी लंबे समय से हृदय रोग से पीड़ित हैं। उनकी नाजुक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए परिवार ने अभी तक उन्हें बेटे की शहादत की जानकारी नहीं दी है। गांव में भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है तथा एंबुलेंस भी तैनात की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि जितेंद्र शर्मा गांव के पहले युवा थे, जिनका चयन भारतीय वायुसेना में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा टप्पल क्षेत्र के डीआरजी इंटर कॉलेज से प्राप्त की थी और बाद में भारतीय वायुसेना में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया।

इधर घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारियों के देर से पहुंचने को लेकर ग्रामीणों और परिजनों में नाराजगी भी देखने को मिली। ग्रामीणों का आरोप है कि अंतिम संस्कार स्थल की तैयारियों के लिए उन्हें स्वयं जेसीबी और अन्य संसाधनों की व्यवस्था करनी पड़ी। गांव के लोगों ने मिलकर अंतिम संस्कार स्थल को तैयार किया। रविवार शाम राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह दिलेर एवं कांग्रेस नेता विवेक बंसल ने गांव पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। पूरे गांव में शोक का माहौल है और लोग अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई देने की तैयारी में जुटे हुए हैं।

हाथरस जिला चिकित्सालय में नरेंद्र कुमार सेंगर के नेतृत्व में रक्तदान शिविर, युवाओं ने दिखाया उत्साह

हाथरस। जिला चिकित्सालय हाथरस में समाजसेवी नरेंद्र कुमार सेंगर के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर रक्तदान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक बनाना था। रक्तदान शिविर में उपस्थित चिकित्सकों की देखरेख में रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसके बाद रक्त संग्रह की प्रक्रिया संपन्न हुई। शिविर में महिलाओं और युवाओं की विशेष भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर नरेंद्र कुमार सेंगर ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है।

शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन से जिला चिकित्सालय में रक्त की उपलब्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी और जरूरतमंद मरीजों को इसका लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने सभी लोगों से समय-समय पर रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

अलीगढ़: बिजली समस्याओं को लेकर एलमपुर बिजलीघर पर तीन घंटे तक प्रदर्शन, अधिकारी नहीं पहुंचे

अलीगढ़। सारसौल क्षेत्र में गिरासू बिजली खंभों और लगातार बनी हुई विद्युत समस्याओं को लेकर रविवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित नागरिकों ने एलमपुर बिजलीघर पहुंचकर करीब तीन घंटे तक नारेबाजी और प्रदर्शन किया। हालांकि देर शाम तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई। वार्ड संख्या 32 के भाजपा पार्षद हरिशंकर ने आरोप लगाया कि सारसौल, बीमा नगर और एलमपुर क्षेत्र में कई बिजली के खंभे जर्जर हालत में हैं। इन खंभों के कारण पहले भी हादसे हो चुके हैं, लेकिन बिजली विभाग द्वारा उन्हें बदलने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके अलावा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति संबंधी अन्य समस्याएं भी लंबे समय से बनी हुई हैं।

पार्षद का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने संबंधित एसडीओ से फोन पर बातचीत कर समस्याओं से अवगत कराया तो उन्हें असहयोगपूर्ण जवाब मिला। पार्षद के अनुसार एसडीओ ने प्रदर्शन करने पर मुकदमा दर्ज कराने तक की चेतावनी दी। इससे नाराज होकर क्षेत्र के लोग शाम करीब चार बजे एलमपुर बिजलीघर पहुंच गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और क्षेत्र की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शाम सात बजे तक बिजली विभाग का कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे लोगों में विभाग के प्रति रोष देखने को मिला। अंततः लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वहीं अधीक्षण अभियंता (शहरी) अंशुमान यादव ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं का संज्ञान लिया गया है और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फतेहपुर: प्रेम संबंध से नाराज भाई ने बहन की गला दबाकर हत्या की, शव कुएं में फेंककर किया सरेंडर

फतेहपुर। जिले के थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा कस्बे में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। दूसरे समुदाय के युवक से प्रेम संबंधों को लेकर नाराज एक भाई ने अपनी बहन की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को कुएं में फेंक दिया। घटना के बाद आरोपी स्वयं पुलिस चौकी पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार युवती की शादी हाल ही में हुई थी, लेकिन वह अपने प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी हुई थी। इसी बात को लेकर परिवार में लगातार विवाद चल रहा था। आरोपी भाई संदीप अहमदाबाद से घर लौटा था और बहन को समझाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन जब वह नहीं मानी तो उसने गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी। बताया गया कि शुक्रवार देर शाम आरोपी बहन को गांव ले जाने के बहाने साथ लेकर गया। रास्ते में दोनों के बीच फिर से बहस हुई। इसी दौरान संदीप ने बहन का गला दबा दिया। युवती ने खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने शव को एक कुएं में फेंक दिया।

घटना के बाद आरोपी पूरी रात इधर-उधर भटकता रहा और शनिवार सुबह स्वयं पुलिस चौकी पहुंचकर बहन की हत्या करने की बात कबूल कर ली। आरोपी की स्वीकारोक्ति सुनकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर शव की तलाश शुरू की। दमकल और पुलिस टीम की मदद से युवती के शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि युवती दूसरे समुदाय के युवक से प्रेम करती थी और ससुराल में नहीं रहना चाहती थी। इसी बात से नाराज होकर उसके भाई ने इस वारदात को अंजाम दिया। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और सनसनी का माहौल है। स्थानीय लोग इस वारदात को लेकर स्तब्ध हैं।

अलीगढ़: परचूनी के गोदाम में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

अलीगढ़। कस्बे के मोहल्ला ओढ़ान स्थित एक परचूनी व्यापारी के गोदाम में रविवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से गोदाम में रखा हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार परचूनी व्यापारी ज्वाला शरण शर्मा के गोदाम से रविवार दोपहर अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया। उस समय परिवार के सदस्य उनके पुत्र की उठावनी के लिए दुकान खोलने पहुंचे थे। धुआं देखकर जब गोदाम का शटर खोला गया तो अंदर आग की लपटें उठती दिखाई दीं। आग की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक गोदाम में रखा काफी सामान जलकर नष्ट हो चुका था।

दुकानदार ज्वाला शरण शर्मा ने बताया कि आग से करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा कैंसर से पीड़ित था, जिसकी दो दिन पहले ही मृत्यु हुई है। ऐसे में परिवार पहले से ही दुख में था और अब आग की घटना ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब दस दिन पहले भी इसी गोदाम में आग लगने की घटना हुई थी। ऐसे में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और प्रशासन से सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

यूपी: विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा ने चला 'बटुक पूजा' का दांव रूठे हुए ब्राह्मणों को साधने की कोशिश

UP **Assembly Elections**: यूपी विधानसभा चुनाव के ठीक पहले भाजपा अपने रूठे हुए ब्राह्मणों को साधने की कोशिश करेगी। कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय के जरिए कोशिश की जा रही है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बाद हाल में कैबिनेट मंत्री बने मनोज पांडेय की बटुक पूजा ने भाजपा राज में ब्राह्मणों की स्थिति पर चर्चा को फिर हवा दे दी है। सपा से बगावत कर भगवा रंग में रंगने और नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मनोज पांडेय की इस नई सियासी पहल को भाजपा के साथ ब्राह्मणों की लामबंदी को पुख्ता करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। चर्चा छिड़ गई है कि ब्राह्मण कोटे से मंत्री बनने के चंद दिनों बाद ही बटुक पूजा कर मनोज पांडेय ने भाजपा से ब्राह्मण समाज की नाराजगी दूर करने का प्रयास किया है

बीते कई महीनों से भाजपा से ब्राह्मण समाज की नाराजगी की बात कही जा रही है। कई विधायक बयानों से इसे हवा भी देते रहे हैं। इस मुद्दे पर कुछ महीनों की गतिविधियों ने उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में ब्राह्मण नेताओं को राजनीति के ब्राह्मण विमर्श के केंद्र में आने का मौका दिया है। भाजपा की भी कोशिश यह संदेश देने की है कि उस पर ब्राह्मणों की उपेक्षा के आरोपों में दम नहीं है। जाहिर है कि यह बटुक पूजा सिर्फ खुद की प्रासंगिकता बनाने-बढ़ाने और ब्राह्मणों के बीच पकड़ और पहुंच का संदेश देने के जतन तक सीमित नहीं है। पाठक और पांडेय का यह प्रयास आने वाले चुनाव में भाजपा को कितना लाभ दिला पाएगा, यह तो चुनाव में पता चलेगा लेकिन बटुक पूजा ने राजनीति में ब्राह्मण विमर्श को चर्चा के केंद्र में ला ही दिया है। उत्तर प्रदेश की आबादी में 12 से 15 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला ब्राह्मण समाज राजनीति में हमेशा से मुददा रहा है। हाल में यूजीसी नियम, फिल्मों के घूसखोर पंडित जैसे टाइटल, एनसीईआरटी की परीक्षा, पुलिस भर्ती परीक्षा, काशी हिंदू विश्वविद्यालय की परीक्षा में पूछे प्रश्नों ने भाजपा सरकार में ब्राह्मणों की उपेक्षा और अपमान की चर्चाओं को हवा दी है। इस स्थिति ने भाजपा नेतृत्व को भी चिंतित किया है। vहिंदुत्व की राजनीति कर रही भाजपा कभी नहीं चाहेगी कि ब्राह्मणों का वोट उससे छिटके लेकिन कांग्रेस पर अतिपिछड़ी व अतिदलित जातियों के हितों की उपेक्षा का आरोप लगाकर इनकी लामबंदी करती आ रही भाजपा के लिए प्रत्यक्ष तौर पर ब्राह्मण राजनीति पर फोकस करना आसान नहीं है। ऐसे में ब्रजेश पाठक और मनोज पांडेय जैसे चेहरे आगे आकर बटुक पूजा जैसे आयोजनों से ब्राह्मणों को साधने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न मुद्दों को लेकर ब्राह्मण समाज के एक वर्ग में नाराजगी की चर्चाएं रही हैं। ऐसे में भाजपा नेतृत्व सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से इस वर्ग के साथ संवाद बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। विपक्षी दलों ने भाजपा के इस कदम को चुनावी रणनीति करार देते हुए इसे वोट बैंक की राजनीति बताया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मण मतदाता अहम भूमिका निभाते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी प्रमुख दल इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए सक्रिय नजर आ रहे हैं।

UP: 'मैंने पकड़े पैर, सोनू ने तकिये से दबाया मुंह' प्रेमी के लिए पति को मारने वाली रचना ने बताई पूरी कहानी

बागपत के नौरोजपुर गुर्जर गांव में एक और पति प्रेम संबंधों में मारा गया है। पति सचिन की हत्या के बाद करोड़ों की जमीन बेचकर पत्नी रचना अपने प्रेमी के साथ आराम से रहना चाहती थी। लेकिन उसकी योजना पर सीसीटीवी में पानी फेर दिया। सचिन की हत्यारोपी पत्नी को पुलिस ने न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। बागपत के नौरोजपुर गुर्जर गांव के किसान सचिन की हत्या के बाद गिरफ्त में आई पत्नी ने पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। करोड़ों रुपये की जमीन बेचकर पत्नी रचना अपने प्रेमी संग आराम से रहना चाहती थी। पूछताछ में रचना ने बताया कि सचिन की हत्या के बाद प्रेमी सोनू उससे ढाई लाख रुपये भी लेकर गया था। पुलिस ने हत्यारोपी प्रेमी सोनू की तलाश में कई जगह दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। वहीं रचना को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। शुक्रवार रात सचिन को उसकी पत्नी रचना ने खीर में नशीली गोलियां मिलाकर खिलाईं। इसके बाद प्रेमी सोनू निवासी रंछाड़ के साथ तकिए से मुंह दबाने के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी। रचना ने उसके हाथ पकड़े थे और प्रेमी सोनू ने तकिये से उसका मुंह दबाया था। सचिन की सामान्य मौत दिखाने के लिए खेत में कीटनाशक का छिड़काव करते समय तबीयत खराब होने से मौत होने की बात कही थी

मगर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से पूरी घटना का खुलासा हो गया। पुलिस ने हत्यारोपी रचना को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने प्रेमी सोनू के साथ रहने के लिए हत्या करने की बात कही हत्या के बाद जमीन बेचकर बाहर रहने की प्लानिंग थी और बच्चे भी अपने साथ ही रखती। सचिन के पास अपनी करीब नौ बीघा जमीन थी और वह 60 बीघा जमीन उगाही पर लेकर फसल की बुआई करता था। उसकी अपनी जमीन की करोड़ों रुपये कीमत है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त तकिया बरामद कर लिया है। पुलिस जांच में यह भी पता चला कि हत्यारोपी सोनू सोशल मीडिया पर खुद को मर्चेंट नेवी का जवान बताता है। साथ ही ड्रेस में फोटो अपलोड करता रहता है। मर्चेंट नेवी का जवान बनकर सोनू महिलाओं से दोस्ती करता था और फिर ठगी करने के बाद उन्हें ब्लॉक कर देता था। इसी तरह उसने रचना से भी दोस्ती की और सचिन की हत्या के बाद ढाई लाख रुपये लेकर चला गया। घटना के बाद से सोनू ने अपना फोन बंद कर रखा है। ।

रचना की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त तकिया बरामद कर लिया गया है। वहीं आरोपी महिला को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। दूसरे आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया

अयोध्या:

अयोध्या: राम मंदिर के चढ़ावे में गबन की जांच के लिए पीएमओ से पहुंचे अफसरआज पहुंचेगी एसआईटी

Ram **Mandir donation dispute:** राम मंदिर चंदा गबन के मामले में पीएमओ सक्रिय हो गया है। इस मामले में रविवार को पीएमओ से अधिकारी पहुंचने की संभावना है। राम मंदिर के चढ़ावे में गबन के मामले के तूल पकड़ने के बाद केंद्र भी सक्रिय हो गया है। रविवार को पीएमओ की तरफ से एक बड़े अफसर के मंदिर पहुंचने की चर्चा है। अफसर अपने स्तर से जांच पड़ताल के बाद जानकारी जुटाकर पीएमओ को देंगे। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं, मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय एसआईटी (विशेष जांच दल) सोमवार को अयोध्या पहुंचेगी। टीम ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जानकारी लेने के साथ मंदिर के कर्मचारियों और चिह्नित संदिग्धों से पूछताछ करेगी। ट्रस्ट की ओर से की गई अब तक की जांच का पूरा ब्योरा भी जुटाएगी। इस बीच एक सप्ताह पहले उजागर हुए इस मामले में गबन के साक्ष्य मिलने के बाद भी अब तक एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। मंदिर की दान राशि में हेरफेर का मामला बीते सप्ताह उजागर हुआ था। ट्रस्ट के पदाधिकारी तब से खुद ही गोपनीय जांच में जुटे हैं। ट्रस्ट के ऑफिस के पास किसी भी बाहरी शख्स के जाने पर रोक है।

कानपुर देहात में भीषण हादसा: बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत डिलीवरी बॉय समेत दो की मौत एक गंभीर

Kanpur Dehat News: बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में दो युवकों की जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। डेरापुर-रूरा मार्ग पर भटौली गांव के पास स्थित एक गेस्टहाउस के सामने रविवार शाम छह बजे के करीब दो बाइकें में भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को रूरा सीएचसी में भर्ती करवाया। वहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया।
रूरा थाना क्षेत्र के हसनापुर निवासी सूर्यभान (32) पुत्र शिवनाथ सिंह एक कूरियर कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय का काम करते थे। रविवार शाम छह बजे के करीब वह डेरापुर की ओर से डिलीवरी देकर रूरा की तरफ लौट रहे थे। डेरापुर-रूरा मार्ग पर भटौली गांव के पास स्थित शारदा देवी गेस्टहाउस के सामने पहुंचने पर उनकी बाइक सामने से आ रहे शिवली थाना क्षेत्र के बलुआपुर निवासी बाइक सवार कमल दोहरे (33) पुत्र

प्रकाश दोहरे व रामपाल से टकरा गई। इससे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। साथ ही हेलमेट लगाए होने के बावजूद सूर्यभान के सिर में गंभीर चोटें आ गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को सीएचसी रूरा में भर्ती करवाया। वहां डॉक्टर हिना कौसर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष सुधीर भारद्वाज ने बताया कि क्षतिग्रस्त बाइकों को कब्जे में लेने के साथ दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। सूर्यभान की मौत की जानकारी होते ही उनकी पत्नी महिमा अपनी मासूम बेटी छवि, पल्लवी व परिजन के साथ रोते-बिलखते हुए सीएचसी पहुंच गई। महिमा ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते पति डिलीवरी ब्वॉय की नौकरी करते थे। हादसे में उनकी मौत हो जाने से मासूम बच्चियों के सिर से पिता का साया उठ गया। साथ ही उनके परिवार पर भी आजीविका चलाने का संकट खड़ा हो गया है।
सड़क हादसे में कमल की मौत की जानकारी पर उनकी मां सावित्री, पत्नी कल्पना, बेटा रचित, राधे, बेटी लवली, लक्ष्मी रोने लगीं। कल्पना ने बताया कि पति बुलडोजर चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। कुछ दिन पहले उनकी ररौख निवासी मां पुष्पा की मौत हो गई थी। रविवार को उनका त्रियोदशी संस्कार था। इसके चलते वह बच्चों के साथ पहले ही मायके चली गई

रविवार को पति त्रियोदशी में शामिल होने के लिए परिवार के रामपाल के साथ ररौख आ रहे थे लेकिन रास्ते में ही हादसे ने उन्हें परिवार से हमेशा के लिए छीन लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। उपचार के दौरान एक डिलीवरी बॉय समेत दो लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि एक अन्य घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

West UP Weather:

दो दिन में 5.3 डिग्री बढ़ा तापमान बारिश के बाद कम हुआ प्रदूषण उमस और गर्मी से नहीं राहत

मेरठ में बारिश के बाद फिर गर्मी ने जोर पकड़ लिया है। दो दिन में अधिकतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया। तेज धूप और उमस से लोगों की परेशानी बढ़ी है, जबकि वायु गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है। मेरठ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले दिनों हुई बारिश से मिली राहत अब खत्म होती नजर आ रही है। रविवार को सुबह से निकली तेज धूप ने लोगों को फिर भीषण गर्मी का एहसास कराया। बीते दो दिनों में अधिकतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है, जिससे उमस भरी गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सुबह से आसमान साफ रहने और तेज धूप निकलने के कारण लोगों को घरों से बाहर निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय गर्मी और उमस का असर सबसे अधिक देखने को मिला।

दो दिन में 5.3 डिग्री बढ़ा तापमान

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश के बाद मौसम में बदलाव जरूर आया था, लेकिन अब दिन और रात दोनों के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। तेज धूप और उमस के कारण दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर लोगों की आवाजाही भी अपेक्षाकृत कम दिखाई दी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में कोई बड़ी गिरावट होने की संभावना नहीं है।

दिन के समय तेज धूप और उमस का असर बना रहेगा, जिससे लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ेगा। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही ने बताया कि फिलहाल मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है और उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करती रहेगी। बारिश का सकारात्मक असर वायु गुणवत्ता पर देखने को मिला है। वातावरण में धूल के कण कम होने से प्रदूषण स्तर में कमी दर्ज की गई है। इससे हवा पहले के मुकाबले कुछ साफ हुई है। रविवार को मेरठ का वायु गुणवत्ता सूचकांक 201 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के बाद प्रदूषण में कमी आई है, हालांकि गर्मी और उमस से राहत के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि गर्मी बढ़ने के बीच एक राहत की खबर यह है कि शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है। हालिया बारिश के कारण वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषक कणों की मात्रा कम हुई है, जिससे एयर क्वालिटी इंडेक्स बेहतर स्तर पर पहुंच गया है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मौसम में बदलाव की संभावना जताई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, आसमान साफ रहने और तेज धूप निकलने के कारण तापमान में तेजी से वृद्धि हुई है। वहीं वातावरण में नमी अधिक होने से उमस भी बढ़ गई है, जिससे लोगों को गर्मी का अहसास अधिक हो रहा है।

Explainer: अमेरिका-ईरान के समझौते की शर्तें तय, ट्रंप-मोजतबा में कौन झुक रहा, भारत को कितना फायदा-क्या नुकसान

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को तीन महीने से ज्यादा हो चुके हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि युद्ध को रोकने के लिए एक सहमति बनी है और जल्द ही इससे जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इस बीच समझौते के ड्राफ्ट की सामग्री और इसकी शर्तों में झुकाव का पक्ष अब भी अस्पष्ट रहा है अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच 28 फरवरी को शुरू हुई जंग को आज 107 दिन पूरे हो चुके हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 80वें जन्मदिन यानी 14 जून (भारतीय समयानुसार (14 जून की शाम से 15 जून के बीच) को ही ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके लिए एक अंतरिम समझौते का ड्राफ्ट भी तैयार किया जा चुका है। हालांकि, अभी इसकी शर्तों और इनकी स्वीकार्यता को लेकर काफी संशय का माहौल है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच 28 फरवरी को शुरू हुई जंग को आज 107 दिन पूरे हो चुके हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 80वें जन्मदिन यानी 14 जून (भारतीय समयानुसार (14 जून की शाम से 15 जून के बीच) को ही ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके लिए एक अंतरिम समझौते का ड्राफ्ट भी तैयार किया जा चुका है। हालांकि, अभी इसकी शर्तों और इनकी स्वीकार्यता को लेकर काफी संशय का माहौल है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर अमेरिका और ईरान के बीच जिस समझौते पर ट्रंप जल्द हस्ताक्षर होने की बात कह रहे हैं, उसमें कौन-कौन सी शर्तें होने की बात सामने आई है? भारत को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने और क्षेत्र से तेल निर्यात को लेकर इसमें क्या कहा गया है? अगर समझौते की शर्तें स्पष्ट हैं तो इसे लेकर फिलहाल तनाव किस बात पर है? वह क्या मुद्दे हैं जो इस संघर्ष का आगे का रुख तय कर सकते हैं?

NCPI: 2023 में पंजीकरण और सिर्फ 822 वोट, अब पार्टी के 20 सांसद; जानिए क्या है एनसीपीआई का इतिहास

कल तक जिस पार्टी के नाम से लोग अनजान थे, वो एनसीपीआई पार्टी अचानक से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गई है। रविवार को टीएमसी के 20 बागी सांसदों ने एनसीपीआई में विलय का एलान किया। खास बात ये है कि 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में इस पार्टी को कुल 822 वोट ही मिले थे। आइए जानते हैं एनसीपीआई का इतिहास..तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने रविवार को दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिलकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय का एलान किया। इसके बाद अचानक से देशभर में नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया की चर्चा शुरू हो गई। जो एनसीपीआई पार्टी त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में महज 822 वोट पाई और जिसका नाम भी लोग नहीं जानते, वह अचानक से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गई है। तो आइए जानते हैं कि आखिर क्या है ये एनसीपीआई और क्यों इसकी इतनी चर्चा हो रही है।चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, एनसीपीआई को 20 जनवरी 2023 को गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (RUPP) के रूप में पंजीकरण मिला था। दिलचस्प बात यह है कि पश्चिम बंगाल में पंजीकृत होने के बावजूद पार्टी ने अपना पहला चुनावी दांव साल 2023 में हुए त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में खेला। आयोग के दस्तावेजों के मुताबिक, पार्टी को कुल मिलाकर केवल 1.13 लाख रुपये का चंदा प्राप्त हुआ था।दस्तावेजों के अनुसार, पार्टी की कोषाध्यक्ष शेउली कुंडू हैं। वह दो अन्य संस्थाओं, बिस्वाबाजार प्राइवेट लिमिटेड और पश्चिम बंग असंगठित महिला कर्मी एसोसिएशन में भी निदेशक हैं। इन दोनों संस्थाओं का पंजीकृत पता भी वही है, जो एनसीपीआई का पता है। तीनों संस्थाओं का पता पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बनिपुर क्षेत्र में दर्ज है। पार्टी के अध्यक्ष उत्तिया कुंडू हैं, जो शेउली कुंडू के पति हैं।एनसीपीआई नेता शांतनु डे ने बताया कि पार्टी ने त्रिपुरा ट्राइबल एरियाज ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (TTAADC) क्षेत्र के वंचित आदिवासी समुदायों का प्रतिनिधित्व करने के लिए त्रिपुरा विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला लिया था। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में पार्टी ने सात विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन चार सीटों पर नामांकन पत्र खारिज हो गए। ऐसे में पार्टी केवल दो सीटों पर अपने चुनाव चिह्न के साथ चुनाव लड़ सकी। वहीं एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन दिया गया। एनसीपीआई के उम्मीदवारों ने त्रिपुरा की चावमानू सीट पर 536 वोट हासिल किए और कैलाशहर सीट पर पार्टी को 286 वोट मिले। दोनों सीटों को मिलाकर पार्टी को कुल 822 वोट मिले। एक अन्य उम्मीदवार कृष्ण कुमार देबबर्मा ने अंबासा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा और 376 वोट हासिल किए। इस तरह एनसीपीआई का कोई भी उम्मीदवार जीत के करीब नहीं पहुंच सका। वहीं रविवार को हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद एकाएक एनसीपीआई देश की बड़ी राजनीतिक ताकत बन गई है और उसके पास अब 20 लोकसभा सांसद हैं।

मुंबई: जल संकट की आशंका के बीच महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, खेती के लिए पानी छोड़े जाने पर रोक

मुंबई। संभावित जल संकट और कमजोर मानसून की आशंका को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य के जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने अधिकारियों को कृषि सिंचाई के लिए बांधों से पानी छोड़े जाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने 31 अगस्त तक उपलब्ध जल भंडार को केवल पेयजल उपयोग के लिए सुरक्षित रखने का निर्णय लिया है। सरकार के अनुसार राज्य में जलाशयों का जलस्तर लगातार घट रहा है। वहीं अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून सामान्य से कमजोर रहने की संभावना जताई जा रही है। इन परिस्थितियों को देखते हुए पेयजल संकट से बचाव के लिए यह निर्णय लिया गया है। जल संसाधन मंत्री ने कृष्णा और गोदावरी नदी बेसिनों में वर्षा की स्थिति और बांधों में उपलब्ध जल भंडार की समीक्षा के बाद यह आदेश जारी किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल की उपलब्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और जल संसाधनों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन किया जाए। सरकार ने राज्यभर में अवैध और अनधिकृत जल दोहन पर भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को ऐसे मामलों की निगरानी कर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में महाराष्ट्र के जलाशयों में कुल उपयोग योग्य जल भंडार 357.5 टीएमसी (हजार मिलियन घन फीट) है, जो कुल क्षमता का केवल 25 प्रतिशत है। यह स्तर पिछले वर्ष इसी अवधि में उपलब्ध जल भंडारण की तुलना में काफी कम बताया जा रहा है। सरकार का मानना है कि यदि मानसून में अपेक्षित वर्षा नहीं होती है तो आने वाले महीनों में पेयजल संकट गहरा सकता है। इसी संभावना को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण और पेयजल सुरक्षा के लिए यह निर्णय लिया गया है।

नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरू हुईं कॉमर्शियल उड़ानें, पहली फ्लाइट का भव्य स्वागत

नोएडा। उत्तर प्रदेश और देश के विमानन क्षेत्र के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। लंबे इंतजार और वर्षों की तैयारियों के बाद जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नियमित कॉमर्शियल उड़ानों का संचालन शुरू हो गया। सुबह 8:05 बजे लखनऊ से यात्रियों को लेकर पहुंची इंडिगो की पहली निर्धारित उड़ान ने जैसे ही रनवे पर लैंडिंग की, वैसे ही एक नए अध्याय की शुरुआत हो गई। एयरपोर्ट पर पहली उड़ान के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं और यात्रियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से रवाना हुई इंडिगो की फ्लाइट 6E-2278 नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने वाली पहली वाणिज्यिक उड़ान बनी। विमान के सुरक्षित उतरते ही एयरपोर्ट प्रशासन, विमानन अधिकारियों और यात्रियों ने इस ऐतिहासिक क्षण का स्वागत किया। पहली उड़ान के साथ ही एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही शुरू हो गई और वर्षों से संजोया गया सपना साकार हो गया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का औपचारिक उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और देश की आर्थिक प्रगति का नया द्वार है। यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय विकास, निवेश, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को देश के सबसे आधुनिक और अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हवाई अड्डों में शामिल किया जा रहा है। एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक टर्मिनल, डिजिटल सेवाएं, उन्नत सुरक्षा व्यवस्था और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है। भविष्य में यहां से देश के प्रमुख महानगरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन भी किया जाएगा। एयरपोर्ट शुरू होने का सबसे बड़ा लाभ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और राजस्थान के लाखों लोगों को मिलेगा। अब यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए केवल दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे समय की बचत होगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को भी मजबूती मिलेगी। स्थानीय किसानों और ग्रामीणों के लिए भी यह अवसर विशेष महत्व रखता है। जिन किसानों ने अपनी भूमि इस परियोजना के लिए दी थी, उनमें से कई लोगों ने एयरपोर्ट के उद्घाटन को विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया।

केरल: मोहन भागवत के कार्यक्रम में कुलपतियों की मौजूदगी पर सियासी घमासान, भाजपा और यूडीएफ आमने-सामने

केरल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के एक कार्यक्रम में राज्य के तीन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की मौजूदगी को लेकर केरल की राजनीति गरमा गई है। इस मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। मामला अब केवल एक कार्यक्रम में शामिल होने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की निष्पक्षता, स्वायत्तता और धर्मनिरपेक्ष छवि को लेकर बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है। विवाद की शुरुआत तिरुवनंतपुरम में आयोजित आरएसएस के शताब्दी समारोह से हुई, जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संबोधन दिया। इस कार्यक्रम में केरल विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय और मलयालम विश्वविद्यालय के कुलपति भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की तस्वीरें और जानकारी सामने आने के बाद विपक्षी दलों और राज्य सरकार के कुछ मंत्रियों ने इस पर आपत्ति जताई। कांग्रेस नीत यूडीएफ नेताओं का कहना है कि कुलपति जैसे संवैधानिक और शैक्षणिक पदों पर बैठे लोगों को किसी वैचारिक संगठन के कार्यक्रम में शामिल होने से बचना चाहिए। उनका तर्क है कि विश्वविद्यालयों की पहचान निष्पक्ष और धर्मनिरपेक्ष संस्थानों के रूप में होती है तथा ऐसे पदों पर बैठे व्यक्तियों की सार्वजनिक गतिविधियां भी उसी गरिमा और तटस्थता के अनुरूप होनी चाहिए। विपक्षी नेताओं ने इसे गंभीर चूक बताते हुए कुलपतियों से सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देने और माफी मांगने की मांग की है। वहीं भाजपा ने इस मुद्दे पर कुलपतियों का खुलकर बचाव किया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने कहा कि आरएसएस देश का एक प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन है तथा उसके कार्यक्रम में शामिल होना कोई गलत बात नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में उपस्थित होने को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने भी कहा कि कुलपतियों को निशाना बनाना उचित नहीं है और इस विषय को अनावश्यक रूप से विवादित बनाया जा रहा है। राज्य के मंत्रियों ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने कुलपतियों की मौजूदगी को गंभीर मामला बताते हुए कहा कि इससे शैक्षणिक संस्थानों की निष्पक्ष छवि प्रभावित हो सकती है। वहीं उच्च शिक्षा मंत्री रोजी एम जॉन ने कहा कि कुलपति केवल व्यक्तिगत पहचान नहीं रखते, बल्कि वे पूरे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए उन्हें ऐसे आयोजनों में शामिल होने से पहले अपने पद की गरिमा और संस्थागत जिम्मेदारी का ध्यान रखना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद केवल एक कार्यक्रम में शामिल होने तक सीमित नहीं है। इसके पीछे राज्य में शिक्षा, विचारधारा, संस्थागत स्वायत्तता और राजनीतिक प्रभाव को लेकर लंबे समय से चल रही बहस भी जुड़ी हुई है। केरल में आरएसएस और संघ परिवार की बढ़ती गतिविधियों को लेकर पहले से ही राजनीतिक चर्चाएं होती रही हैं और यह मामला उसी बहस को और तेज कर सकता है।

नई दिल्ली: झमाझम बारिश से बदला दिल्ली-एनसीआर का मौसम, लोगों को भीषण गर्मी और उमस से मिली राहत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सोमवार सुबह मौसम ने बड़ी राहत दी। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस के बीच सुबह हुई बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद सहित एनसीआर के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट आई और लोगों ने राहत की सांस ली। सोमवार सुबह आसमान में बादल छाए रहे और कई क्षेत्रों में बारिश की फुहारों ने दिन की शुरुआत को सुहावना बना दिया। बारिश के चलते गर्म हवाओं और उमस का असर कम हुआ। सुबह के समय सड़कों, पार्कों और खुले स्थानों पर लोग मौसम का आनंद लेते दिखाई दिए। लंबे समय बाद मिली इस राहत ने लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को राजधानी में गर्मी का प्रभाव काफी अधिक रहा था। 24 घंटों के भीतर न्यूनतम तापमान में 4.8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 2.9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई थी। रविवार को अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। हालांकि दोनों तापमान सामान्य से कुछ कम रहे, लेकिन उमस के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार सुबह हुई बारिश के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिला और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। गुरुग्राम सहित एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश के कारण वातावरण ठंडा हुआ और प्रदूषण के स्तर में भी कमी आने की संभावना जताई जा रही है।

शिकागो की सड़कों पर सैर करती नजर आईं मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर चर्चा में हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ठीक ठाक कमाई कर रही है। इस बीच मृणाल ठाकुर शिकागो की सैर पर गई हैं। यहां से उन्होंने अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं।मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने शिकागो की सड़कों पर पोज दिए हैं। उन्होंने अलग-अलग आउटफिट भी पहने हैं। यही नहीं उन्होंने यहां से वर्कआउट करते हुए भी तस्वीर शेयर की है।तस्वीरें शेयर करते हुए मृणाल ठाकुर ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा 'बैग पैक कर रही हूं और इस शहर को गुड बाय कह रही हूं। ये वाकई जानलेवा है।' इसके साथ उन्होंने रोने वाला और दिल टूटने वाला इमोजी भी लगाया है।फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 5 जून को रिलीज हुई है। इसके निर्देशक डेविड धवन हैं। इसे टिप्स फिल्म्स और मैक्सिमिलियन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। इसमें मृणाल ठाकुर के अलावा वरुण धवन और पूजा हेगड़े अहम किरदारों में हैं। मुख्य कलाकारों के अलावा इसमें सहायक कलाकारों में मौनी रॉय, चंकी पांडे, राकेश बेदी, कुब्रा सैत और अन्य शामिल हैं।फिल्म की कहानी जस (वरुण धवन) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह अपनी पत्नी बानी (मृणाल ठाकुर) से इसलिए तलाक लेने की कोशिश करता है क्योंकि वह बच्चा चाहता है। जस जब लंदन जाता है, तो उसकी मुलाकात प्रीत (पूजा हेगड़े) से होती है। दोनों में प्यार होता है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब तलाक के बीच बानी और प्रीत दोनों एक-साथ जस को अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी देती हैं।

दिशा पाटनी मनाया अपना जन्मदिन

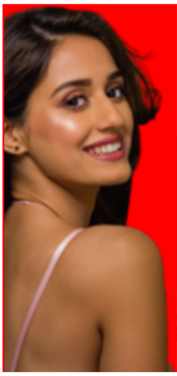

शनिवार को बॉलीवुड अदाकारा दिशा पाटनी ने अपना 34वां जन्मदिन मनाया। करीबी दोस्तों के साथ दिशा ने जन्मदिन की छोटी सी पार्टी की। इस पार्टी की तस्वीरें मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा की हैं। मौनी रॉय और दिशा पाटनी पुरानी दोस्त हैं। दोनों अक्सर वेकेशन पर साथ जाती हैं। साथ पार्टी करती हैं। दिशा के जन्मदिन के सेलिब्रेशन में भी मौनी शामिल हुईं। इस जश्न की कुछ अनदेखी तस्वीरें मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में मौनी और दिशा के करीबी दोस्त भी शामिल हुए।

यो यो हनी सिंह से मिलीं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वे इस प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए अपने पोस्ट को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। कभी अपने डांस तो कभी स्टाइल से वे ध्यान खींचती हैं। अब अपने हालिया पोस्ट को लेकर वे चर्चा में आ गई हैं।उर्वशी रौतेला ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें वे रैपर और सिंगर हनी सिंह के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की हाल ही में मुलाकात हुई। पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा है, 'हर रीयूनियर के लिए एलान करने की जरूरत नहीं होती'।उर्वशी रौतेला ब्लैक कलर की शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं, हनी सिंह व्हाइट शर्ट और डैनिम जींस में दिख रहे हैं। दोनों बिंदास होकर एक-दूजे के साथ तस्वीरें क्लिक कराते दिखे हैं।हनी सिंह और उर्वशी की तस्वीरों पर नेटिजंस रिएक्शन दे रहे हैं। अधिकांश यूजर्स फायर इमोजी और हार्ट इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। कुछ लोग लिख रहे हैं, 'दो दमदार लोग एक फ्रेम में'।बता दें कि इन दिनों रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह अपने गाने 'Jawani Iraqi' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें एक बार फिर उनका पुराना अंदाज देखने को मिला है। यह ट्रैक 06 जून को रिलीज हुआ था।

शाहरुख खान की पत्नी से
घर डिजाइन कराना चाहते थे मीका सिंह

सिंगर मीका सिंह अपने गानों के अलावा अपनी प्रॉपर्टीज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि अब उनके पास पूरे भारत में 99 प्रॉपर्टीज हैं। इसमें मुंबई का एक शानदार 50 करोड़ रुपये का घर भी शामिल है। इसे शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने डिजाइन किया है। उन्होंने इस बारे में एक किस्सा शेयर किया है। पिंकविला के साथ बातचीत में मीका ने बताया कि उन्होंने मुंबई में

2012 में प्रॉपर्टी खरीदी थी। उन्होंने एक बिल्डिंग में छह फ्लैट खरीदे थे। उन्होंने आगे बताया कि वह बिल्डिंग पूरी तरह से खाली थी, उसे पूरा होने में छह साल लगे, और आखिरकार 2018 में उन्हें चाबियां सौंपी गईं।शाहरुख का जवाब बिल्कुल उनके अंदाज के मुताबिक था। उन्होंने मजाक में गौरी खान के बारे में कहा 'बहुत लूटेगी तुम्हें'। उन्होंने आगे कहा 'महंगा करेगी।' मगर मीका उन्हें इस काम के लिए राजी करने पर अड़े हुए थे। उनकी जिद देखकर, शाहरुख ने आखिरकार उनसे कहा कि वे खुद ही गौरी से बात कर लें।

बुड्ढे नहीं, वो विंटेज मॉडल हैं

अभिनेता-निर्देशक अरबाज खान और शूरा खान ने साल 2023 में शादी रचाई। कपल एक बिटिया के माता-पिता हैं। अरबाज खान अपनी पत्नी शूरा से करीब 23 साल बड़े हैं। उम्र के इस फासले को लेकर दोनों को अक्सर ट्रोल किया जाता है। अरबाज इसे लेकर चुप्पी तोड़ चुके हैं। हाल ही में शूरा खान ने भी इस पर रिएक्शन दिया है। शूरा खान ने हाल ही में एक ऑनलाइन चैट सैशन रखा, जहां फैंस के कई दिलचस्प सवालों के जवाब दिए। शूरा ने बहुत ही सलीके से और सहज अंदाज में इसका जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'क्या सच में? वे कोई बूढ़े शख्स नहीं हैं। वे एक लिमिटेड-एडिशन विंटेज मॉडल हैं।शूरा ने इसके अलावा कई और दिलचस्प सवालों के जवाब दिए। उनसे पूछा गया कि उनकी बिटिया का नाम किसने रखा है? इस पर शूरा ने बताया, 'सलीम अंकल यानी अरबाज खान के पिता ने रखा है।' बता दें कि अरबाज और शूरा की बेटी का नाम सिपारा अरबाज खान है। यह नाम बेबी गर्ल के दादू ने उन्हें दिया है।शूरा से एक फैन ने पूछा, 'अरबाज के साथ अपनी पहली डेट के लिए आपने हां क्यों कहा'? इस पर शूरा ने जवाब लिखा, 'मैं उनसे एक शर्त हार गई थी, इसलिए मुझे उन्हें डिनर पर ले जाना पड़ा'। एक यूजर ने पूछा कि अब आपका प्रोफेशन क्या है? इस पर शूरा ने कहा, 'होम मेकर। पूरी तरह एक मां और पत्नी'। वहीं, जब उनसे मदरहुड के बारे में पूछा गया तो शूरा ने बताया, 'यह एक जादुई यात्रा है, जिसमें मैं एक ही समय में थक भी जाती हूं, मजा भी आता है और हर 12 सेकंड में मुझे पुकारा भी जाता है'। एक यूजर ने लिखा, 'आप थोड़े मोटे हो गए हो'। इस पर शूरा ने हंसते हुए लिखा, 'थोड़े? मेरा 20 किलो वजन बढ़ गया है'।

आखिरी एपिसोड देखकर बहुत डिस्टर्ब हो गया हूं

वेब सीरीज 'राख' का करण जौहर ने रिव्यू किया है। हाल ही में इसे देखने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट लिखा है और बताया कि आखिरी एपिसोड देखने के बाद वे काफी ज्यादा परेशान हो गए। बता दें कि इस सीरीज में अली फजल और सोनाली बेंद्रे लीड रोल में हैं। जानिए करण जौहर ने 'राख' को लेकर क्या कहा है?करण जौहर वेब सीरीज 'राख' को देखने के बाद बतौर अभिभावक परेशान हो उठे। बता दें कि यह सीरीज 48 साल पुराने रंगा-बिल्ला केस पर आधारित है। एक ऐसा आपराधिक मामला, जिससे पूरे देश की रूह कांप उठी थी। दिल्ली में एक सेनाधिकारी के दो बच्चों का अपहरण किया गया और फिर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस अपराध को दुर्दांत

अपराधियों रंगा-बिल्ला ने अंजाम दिया था। यह घटना रंगा-बिल्ला केस के रूप में जानी जाती है। करण जौहर ने पोस्ट साझा कर सीरीज के बारे में लिखा है, 'मैं इंस्टाग्राम से कुछ समय के लिए ब्रेक लेने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा कि मैं इसमें कामयाब हो गया हूं, लेकिन फिर मैंने यह दिल दहला देने वाली सीरीज देखी और मुझे अपनी बात कहने की जरूरत महसूस हुई। अभी रात के 1:35 बज रहे हैं और आखिरी एपिसोड देखने के बाद मैं बहुत परेशान हूं। एक माता-पिता, एक इंसान और समाज के एक सदस्य के तौर पर मैं परेशान हूं'। करण ने आगे लिखा है, 'सीरीज 'राख' इंसानियत के सबसे बुरे पहलू को दिखाती है। किसी भी बचपन के ट्रॉमा या किसी और वजह से अपने अंदर के शैतान के आगे घुटने टेकना सही नहीं ठहराया जा सकता। मुझे नहीं पता कि मैं इस ट्रॉमा से इतनी जल्दी उबर पाऊंगा

धमाकेदार रहेगा यह वीक ओटीटी
पर रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

इस वीक ओटीटी पर क्या है खास?

बीते सप्ताह ओटीटी पर कई शानदार फिल्में और सीरीज रिलीज हुईं। सिनेमाघरों में भी बहार रही। इस वीक भी थिएटर्स में 'कॉकटेल 2' सहित कई फिल्में दस्तक देंगी। मगर, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी खूब माहौल जमने वाला है। इस वीक ओटीटी के पिटारे में कई रोचक फिल्में और सीरीज हैं। जानिएमोहनलाल की फिल्म 'दृश्यम 3' इस वीक ओटीटी पर रिलीज होगी। यह फिल्म 21 मई 2026 को सिनेमाघरों में आई थी। थिएटर्स में दर्शकों ने इसे हाथोंहाथ लिया। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी यह उपस्थिति दर्ज कराने वाली है। फिल्म 'दृश्यम 3' को 18 जून से प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है।यह रोमांचक क्राइम थ्रिलर मिनी सीरीज है। इस वीक दर्शक इसका लुत्फ उठा सकते हैं। इसमें सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर सीन हैं। 'आई विल फाइंड यू' को आप 18 जून से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। यह सीरीज हार्लन कोबेन के उपन्यास पर आधारित है। इसमें सैम वर्थिंगटन (डेविड के रूप में) ब्रिट लोअर और मिलो वेंटिमिलिया मुख्य भूमिकाओं में हैं।अगर आपको एक्शन कॉमेडी फिल्मों में दिलचस्पी है तो यह फिल्म आपके लिए है। इस वीक यह मलयालम फिल्म भी ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। यह तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और हिंदी में उपलब्ध रहेगी। इसे 19 जून से सोनी लिव पर देख सकते हैं।वेब सीरीज 'ठुकरा के मेरा प्यार' का दूसरा सीजन इस वीक दर्शकों के बीच आएगा। इस सीरीज को आप 19 जून से जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। इसमें प्यार के साथ-साथ बदले की कहानी भी देखने को मिलेगी। सीरीज में संचिता बसु (शानविका चौहान) और धवल ठाकुर (कुलदीप कुमार) मुख्य भूमिकाओं में हैं।यह फिल्म भी इस वीक की लिस्ट में शामिल है। इसे आप 19 जून से नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे। यह फैमिली ड्रामा से भरपूर फिल्म है।

फिल्मों में उलझी हुई प्रेम कहानी

निर्देशक इम्तियाज अली अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को आलोचकों से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म धीमी रफ्तार से कमाई कर रही है। इस बीच निर्देशक ने बताया है कि उन्हें प्रेम कहानी वाली फिल्में बनाने की प्रेरणा कहां से मिलती है। हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में इम्तियाज अली ने बताया कि फिल्मों की अलग तरह की कहानी की प्रेरणा उन्हें कहां से मिलती है। उनसे पूछा गया कि उनके सिनेमा में प्यार अक्सर उलझा हुआ और दिल तोड़ने वाला होता है। इस पर उन्होंने कहा 'मेरे लिए कुछ भी साफ-सुथरा और एकदम सही दिखाना नामुमकिन है क्योंकि मेरे पास इसका कोई उदाहरण नहीं है। अगर आप मुझसे बिना किसी दुख या तकलीफ वाली साफ-सुथरी प्रेम कहानी बनाने को कहें, तो मुझे समझ नहीं आएगा कि शुरुआत कहां से करूं, क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ नहीं देखा है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ होता भी है।'उन्होंने आगे कहा 'असल में, मैं खास तौर पर प्रेम कहानियां बनाने नहीं निकला। मैं ऐसी कहानियां बनाता हूं, जिनमें लोगों के मन में कई तरह की भावनाएं होती हैं। मैं किरदारों को फॉलो करता हूं और देखता हूं कि वे किस मोड़ पर पहुंचते हैं। कभी-कभी, जाहिर है, इसमें मेरी देखी और महसूस की हुई चीजों की झलक मिलती है, क्योंकि मैं प्रेरणा के लिए सिनेमा का नहीं, बल्कि जिंदगी का सहारा लेता हूं। हां, मुझे लगता है कि रिश्ते कभी-कभी उलझे हुए होते हैं। अगर फिल्म की अवधि लंबी होती, तो उनके और भी ज्यादा उलझे हुए होने की संभावना होती। इम्तियाज अली के मुताबिक उनकी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' उनके बचपन के घर लौटने के भावुक अनुभव से प्रेरित है। फिल्म में दिखाया गया है कि नसीरुद्दीन शाह का किरदार बुढ़ापे में अपने घर वापस जाना चाहता है।

उर्मिला मातोंडकर के पूर्व पति

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर से अलग होने के बाद मोहसिन ने अब दूसरी शादी कर ली है। सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए इस खुशखबरी को फैंस के साथ साझा किया।रविवार को मोहसिन ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई पत्नी निधा भट्ट के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने एक इमोशनल नोट भी लिखा। उन्होंने लिखा कि सच्चे इरादे, ईमानदार प्यार और सब्र-शुक्र से भरे दिल के साथ उन्होंने जिंदगी में फिर से प्यार पाया है। मोहसिन ने अपनी पत्नी को अपनी जिंदगी की रोशनी बताया और अल्लाह का शुक्रिया अदा किया।उन्होंने अपने इस पोस्ट में अपने एक करीबी (मौजी) को भी याद किया और कहा कि उनकी दुआओं और आशीर्वाद की वजह से ही उन्हें यह खुशी मिली है। उन्होंने लिखा कि वह उन्हें बहुत याद करते हैं और हमेशा उनके लिए दुआ करेंगे।अगर बात करें उनके पिछले रिश्ते की, तो मोहसिन पहले उर्मिला मातोंडकर के साथ शादीशुदा थे। दोनों ने 4 फरवरी 2016 को एक निजी समारोह में शादी की थी। उनकी शादी काफी चर्चा में रही थी, क्योंकि यह एक इंटर-फेथ मैरिज थी और दोनों के बीच करीब 10 साल का एज गैप भी था।दोनों की मुलाकात साल 2014 में डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की भतीजी की शादी में हुई थी। बाद में दोनों ने अमृतसर के गोल्डन टेंपल में दर्शन किए और फिर निकाह किया। हालांकि, शादी के लगभग 8 साल बाद 2024 में उनके रिश्ते में दरार की खबरें सामने आईं और उर्मिला ने तलाक के लिए आवेदन किया और इसके बाद दोनों का तलाक हो गया। उर्मिला मातोंडकर ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी और 'मासूम' व 'कलयुग' जैसी फिल्मों में काम किया। बाद में वह 'रंगीला', 'जुदाई', 'सत्या', 'कौन', 'प्यार तूने क्या किया', 'भूत' और 'एक हसीना थी' जैसी फिल्मों से बॉलीवुड की बड़ी स्टार बनीं।

The Bonus Market News: हरे निशान पर सेंसेक्स-निफ्टी; शुरुआती कारोबार

The Bonus Market News: ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति के बाद शेयर बाजार में भी उछाल देखा गया। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर खुले। सेंसेक्स में 1000 अंकों से अधिक तेजी दिखी, जबकि निफ्टी 330 अंकों से अधिक उछला। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 53 पैसे मजबूत हुआ।आज सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 53 पैसे मजबूत हुआ। ईरान और अमेरिका के बीच 107 दिनों से जारी जंग थमने की घोषणा के बाद भारत के अलावा एशिया के अन्य बाजारों में भी तेजी दिखी। जापान के निक्केई में 4 फीसदी से अधिक तेजी दिखी। भारतीय शेयर बाजार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का निफ्टी 1080 अंकों की उछाल के साथ खुला। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 330 अंकों की तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में जिन कंपनियों के शेयर में अधिक तेजी दिखी उनमें इंडिगो, इटरनल, बाजाज फाइनांस और एशियन पेंट्स प्रमुख रहे। निफ्टी में जिन कंपनियों के शेयर हरे निशान पर रहे उनमें श्री राम फाइनांस, इंडिगो, ईटरनल, बाजाज फाइनांस और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल (टीएमपीवी) शीर्ष पांच में शामिल रहे। संघर्ष के दौरान कच्चे तेल कीमतों में भारी उछाल आया था, जिससे पेट्रोल और अन्य कई उत्पादों की लागत बढ़ गई थी।

एशियाई बाजारों में दिखा उत्साह

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते का एलान करने के बाद ही एशियाई बाजार झूम उठे। जापान का निक्केई सूचकांक 4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इंट्राडे रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। शांति समझौते के एलान और होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने की खबर से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयरों में उछाल आया। दक्षिण कोरिया के कोस्पी सूचकांक में भी 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलियाई शेयर बाजार में भी खुलने के साथ ही तेजी दर्ज की गई। एएसएक्स200 125 अंकों के साथ बढ़कर 8928 पर कारोबार कर रहा था। सूचकांक के 11 में से सात क्षेत्रों में तेजी देखी गई। कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 3 डॉलर से ज्यादा की गिरावट आई।संघर्ष के दौरान कच्चे तेल कीमतों में भारी उछाल आया था

Iran War: यूएस-ईरान शांति समझौते के एलान के बाद झूमे एशियाई बाजार, क्या घटेंगे पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के दाम

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के एलान के बाद ही इसका असर दिखना शुरू हो गया है। शांति समझौते के एलान से एशियाई बाजारों में तेजी देखी गई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते का एलान करने के बाद ही एशियाई बाजार झूम उठे। जापान का निक्केई सूचकांक 4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इंट्राडे रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। शांति समझौते के एलान और होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने की खबर से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयरों में उछाल आया। दक्षिण कोरिया के कोस्पी सूचकांक में भी 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

ऑस्ट्रेलियाई शेयर बाजार में भी खुलने के साथ ही तेजी दर्ज की गई। एएसएक्स200 125 अंकों के साथ बढ़कर 8928 पर कारोबार कर रहा था। सूचकांक के 11 में से सात क्षेत्रों में तेजी देखी गई। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कच्चा तेल के वायदा भाव में 4.77 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 80.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अगस्त में डिलीवरी के लिए ब्रेंट वायदा भाव में भी करीब 4 फीसदी की गिरावट आई और यह 83.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एसएंडपी 500 वायदा में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि नैस्डैक वायदा में 1.4 प्रतिश की तेजी आई है। निक्केई वायदा तेजी के बाद 68,685 के अंक तक पहुंच गया, जबकि शुक्रवार को यह 66,020 पर था। अमेरिकी शेयर बाजारों के संकेतक भी मजबूती दर्शा रहे हैं। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 1 प्रतिशत और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स में 0.8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के खोलने की अनुमति देता हूं और साथ ही अमेरिका द्वारा लगाए गए नौसैनिक अवरोध को भी तुरंत हटाने की अनुमति देता हूं।

Multi Factor Fund: बाजार की उठापटक में कैसे बचाएं अपनी पूंजी? जानिए मल्टी-फैक्टर फंड की रणनीति

शेयर बाजार में बढ़ते उतार-चढ़ाव के बीच मल्टी-फैक्टर फंड निवेशकों के लिए नया विकल्प बनकर उभरे हैं। जानिए ये फंड कैसे काम करते हैं, किन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं और इनमें निवेश से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।प्रयागराज में रहने वाले अमित कुमार पिछले कुछ दिनों से सुबह की चाय चैन से नहीं पी पा रहे हैं। वजह है शेयर बाजार का मौजूदा मिजाज। कुछ दिन पहले तक जब छोटे और मझोले शेयर रॉकेट की तरह भाग रहे थे। पिछले हफ्ते जैसे ही बड़ी कंपनियों ने कमान संभाली और छोटे शेयरों में मुनाफावसूली हुई, अमित के पोर्टफोलियो का रंग हरे से लाल हो गया।आज के बाजार में बार-बार बदलते चक्र को भांपना और सही समय पर सही दांव लगाना किसी आम निवेशक के बस की बात नहीं है। इसीलिए एक अचूक रणनीति तेजी से लोकप्रिय हो रही है, जिसे मल्टी-फैक्टर फंड कहा जाता है।पारंपरिक म्यूचुअल फंड कंपनियों के आकार यानी उनके कुल बाजार मूल्य के हिसाब से शेयरों का चुनाव करते हैं। इस ढर्रे के विपरीत मल्टी-फैक्टर फंड इस बात पर ध्यान नहीं देते कि कोई कंपनी कितनी बड़ी है, बल्कि वे कंपनी के कामकाज के तरीके और उसके बर्ताव का आकलन करते हैं। इसके लिए वे कुछ ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित मजबूत कारकों को चुनते हैं।अगर आपका मुख्य उद्देश्य अपनी पूंजी को बाजार के दौरों से बचाना है, तो यह मिश्रण आज के बाजार में एक शॉक-एब्जॉर्बर की तरह काम करता है। आपका पैसा लगातार लाभांश देने वाली बेहद स्थिर कंपनियों में सुरक्षित रहता है।कंपनियां अक्सर इन फंडों को पुराने आंकड़ों की शानदार रिपोर्ट दिखाकर बेचती हैं। बाजार के बड़े बदलावों के दौरान ऐसा भी हो सकता है कि दो अलग-अलग स्तंभ कुछ समय के लिए एक साथ सुस्त पड़ जाएं। हर 3-6 महीने में पोर्टफोलियो की कड़ाई से छंटनी होती है। इससे प्रबंधन का खर्च बढ़ सकता है। फैक्टर रणनीतियों में 30% तक का आवंटन करें।

ये फैक्टर ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो जोखिम को कम करते हुए बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं। पारंपरिक सूचकांकों के पीछे भागने के बजाय, यह फंड कई मजबूत कारकों, जैसे कंपनी का वास्तविक मूल्य, गुणवत्ता, रफ्तार, या उतार-चढ़ाव की स्थिरता, को एक साथ मिलाकर एक बेहद मजबूत पोर्टफोलियो तैयार करता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड काफी हद तक फंड मैनेजर के अनुभव, अनुमान और व्यक्तिगत नजरिये पर निर्भर करते हैं। वहीं, मल्टी-फैक्टर फंड मानवीय भावनाओं, डर और लालच को पूरी तरह से किनारे कर देते हैं। यह व्यवस्था पूरी तरह से कड़े नियमों और कंप्यूटर आधारित गणितीय प्रणाली पर काम करती है।यह फंड बाजार के दो या दो से अधिक प्रमाणित स्तंभों को एक साथ चुनता है। इसके मुख्य चार स्तंभ हैं- गुणवत्ता (कम कर्ज और अधिक मुनाफा), वास्तविक मूल्य (सस्ते दामों पर मिलने वाले अच्छे शेयर), रफ्तार (तेजी से ऊपर की ओर भागते शेयर) और कम उतार-चढ़ाव (स्थिर शेयर जो बाजार के झटकों में ज्यादा नहीं डगमगाते)।एक कंप्यूटर आधारित प्रणाली पूरे शेयर बाजार को खंगालती है। यह समाचारों की सुर्खियों को नजरअंदाज कर केवल उन्हीं शेयरों को चुनती है, जो एक साथ कई कसौटियों पर खरे उतरते हैं। यदि आप बाजार के मौजूदा हिचकोलों से नहीं डरते और लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं, तो यह मिश्रण आपके लिए है। रफ्तार आपको तेजी का पूरा फायदा दिलाएगी, जबकि गुणवत्ता यह पक्का करेगी कि आपका पैसा केवल मजबूत बुनियादी ढांचे वाली कंपनियों में ही लगे।यह उन आम निवेशकों के लिए है, जो आज की उथल-पुथल के बीच रात को चैन की नींद सोना चाहते हैं। इसमें आपको साफ-सुथरी कंपनियां भी मिलती हैं और वे सही तथा किफायती दामों पर भी हासिल होती हैं।

Digital Fraud: पुराने ठग, नए हथकंडे; तेजी से बढ़ते डिजिटल भुगतान के साथ साइबर ठगी का खतरा भी बढ़ा

48,000 करोड़ रुपये की डिजिटल लूट

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान व्यवस्थाओं में से एक है। इस चमक के पीछे एक बहुत बड़ा अंधेरा भी है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में आम नागरिकों को डिजिटल और साइबर ठगी के कारण लगभग 48,000 करोड़ रुपये का भारी-भरकम नुकसान हुआ है। दूसरी तरफ डिजिटल लेन-देन लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है: आपके मोबाइल पर लिंक भेजकर कहा जाता है, यह सरकार का आधिकारिक एप है, इसे डाउनलोड करके अपनी जानकारी भरें। असल में यह एक घातक वायरस या रिमोट एक्सेस एप होता है, जो आपके पूरे मोबाइल का नियंत्रण ठगों के हाथ में सौंप देता है।ठग वीडियो कॉल पर खुद को सीबीआई, ईडी, पुलिस या रिजर्व बैंक का अधिकारी बताते हैं। इसके बाद पीड़ित को घंटों वीडियो कॉल पर बंधक बनाकर रखा जाता है और केस रफा-दफा करने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए जाते हैं। साइबर ठग लोगों को झांसा देते हैं कि बैंक खाता बंद हो जाएगा, पैन कार्ड लिंक नहीं है या सिम कार्ड ब्लॉक हो जाएगा। इस तरह के डरावने संदेश भेजकर फर्जी वेबसाइटों है।

भारत में डिजिटल भुगतान के बढ़ने के साथ साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी KYC, निवेश स्कैम जैसे नए तरीकों से लोग लाखों-करोड़ों की ठगी का शिकार हो रहे हैं। RBI ने सुरक्षा के लिए नए डिजिटल टूल्स भी लॉन्च किए हैं।रात के करीब आठ बजे थे। लखनऊ की सेवानिवृत्त शिक्षिका कंचन शुक्ला के मोबाइल पर फोन आया। आपकी डिजिटल जनगणना का डाटा अपडेट हो चुका है। सिर्फ एक अंतिम सत्यापन बाकी है। आपके मोबाइल पर एक ओटीपी आएगा, कृपया बता दीजिए। आवाज इतनी गंभीर और पेशेवर थी कि बुजुर्ग शिक्षिका धोखा खा गईं। ओटीपी बता दिया। दस मिनट में बैंक खाते से 7.80 लाख रुपये गायब। साइबर ठग लोगों को झांसा देते हैं कि बैंक खाता बंद हो जाएगा, पैन कार्ड लिंक नहीं है या सिम कार्ड ब्लॉक हो जाएगा। इस तरह के डरावने संदेश भेजकर फर्जी वेबसाइटों पर आपकी गोपनीय जानकारी चुराई जाती है। घबराइए नहीं। पहले 2 घंटे आपकी सबसे बड़ी ताकत हैं। तुरंत बैंक को फोन करें, खाता ब्लॉक करवाएं।

Gold Silver: एक हफ्ते में सोना करीब ₹6400 टूटा

चांदी ₹14000 से ज्यादा सस्ती हुई; जानें सर्राफा बाजार का हाल

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,35,385 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,41,282 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,10,850 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,15,679 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 11 जून को सुबह के सत्र में 1,44,782 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 9 जून को सुबह के सत्र में 1,52,519 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है।चांदी का दाम 14,326 रुपये कम होकर 2,42,582 रुपये प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,56,908 रुपये प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में सबसे न्यूनतम दाम 11 जून को शाम के सत्र में 2,32,591 रुपये प्रति किलो देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 9 जून को शाम के सत्र में 2,45,938 रुपये प्रति किलो देखा गया। वैश्विक अस्थिरता के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना का दाम 4,248 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 68 डॉलर प्रति औंस के करीब आ गया है।

इस हफ्ते सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 24 कैरेट सोना 6,438 रुपये टूटकर। वहीं, चांदी 14,326 रुपये गिरकर 2.42 लाख रुपये प्रति किलो रह गई। आईए जानतें हैं कि यह गिरावट क्यों हो रही है।इस हफ्ते सोने और चांदी में गिरावट देखने को मिली। जिससे सोना और चांदी 6,400 रुपये और 14,300 हजार रुपये से अधिक सस्ते हो गए हैं। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,438 रुपये कम होकर 1,47,800 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, पहले यह 1,54,238 रुपए पर था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह महंगाई बढ़ने की आशंका और अमेरिका ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत उच्च स्तर पर रहना है।इसके साथ ही ब्याज दरों के बढ़ाने की आसान कहां है निवेशकों को सोने और चांदी में मुनाफा वसूली पर मजबूर किया है। बीते एक वर्ष में सोने और चांदी ने शानदार रिटर्न दिया है। डॉलर में इस दौरान सोने ने 24 प्रतिशत से अधिक और चांदी ने 87 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

जरूरी, जानिए पैसा कहां रखना रहेगा सबसे सुरक्षित

Emergency Fund: संकट के समय कितनी बचत है

बीमारी, नौकरी छूटने या अचानक आने वाले बड़े खर्च से निपटने के लिए इमरजेंसी फंड बेहद जरूरी है। जानिए आपकी आय और जिम्मेदारियों के अनुसार कितना इमरजेंसी फंड होना चाहिए और इसे कहां रखना सबसे सुरक्षित रहेगा।जीवन में खुशियां बिना बताए आ सकती हैं, लेकिन मुसीबतें हमेशा अचानक और बिना दस्तक दिए ही आती हैं। बीमारी, अचानक नौकरी छूटना या कोई बड़ा अप्रत्याशित खर्च, ऐसी स्थितियां हैं, जो किसी भी हंसते-खेलते परिवार के घरेलू बजट को पल भर में तहस-नहस कर सकती हैं। ऐसे ही कठिन समय में जो पैसा आपकी रक्षा करता है, उसे वित्तीय भाषा में इमरजेंसी फंड कहते हैं।आंकड़े बताते हैं कि देश में कर्ज लेने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है और घरेलू देनदारियां रिकॉर्ड स्तर पर हैं। ऐसे दौर में हर समझदार व्यक्ति के पास एक इमरजेंसी फंड होना अनिवार्य है, ताकि संकट के समय किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े और न ही भारी ब्याज पर कर्ज का बोझ उठाना पड़े। एक ही आकार का जूता सबके पैरों में फिट नहीं बैठता, यही नियम इस फंड पर भी लागू होता है। अपनी नौकरी की स्थिरता, वैवाहिक स्थिति और जिम्मेदारियों के आधार पर तय करें कि आपको कितने महीनों का खर्च बचाकर रखना है।यदि आपकी नौकरी पूरी तरह सुरक्षित है और आप पर कोई निर्भर नहीं है, तो आपके लिए 3 महीने का आवश्यक खर्च बचाकर रखना पर्याप्त है।यदि आप शादीशुदा हैं, तो कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च का बैकअप अपने पास रखें ताकि किसी भी उतार-चढ़ाव में परिवार सुरक्षित रहे।यदि आपके बच्चे हैं, आप पर होम लोन की किस्त का बोझ है, या आपकी आय निश्चित नहीं है, तो आपको 12 महीने का खर्च सुरक्षित रखना चाहिए।इमरजेंसी फंड का मकसद मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि जरूरत के समय तुरंत उपलब्ध होना है। इसलिए इस पैसे को ऐसी जगह रखें जहां जोखिम शून्य हो और आप इसे पलक झपकते ही निकाल सकें। पूरे पैसे को एक ही जगह रखने के बजाय इन तीन विकल्पों के मिश्रण में बांटें

Aaj Ka Rashifal 15 June:
इन चार राशि वालों को मिलेगा भाग्य का अच्छा साथ और धन लाभ के योग

15 June Ka Rashifal: आचार्य मानस शर्मा से जानिए चंद्र राशि पर आधारित मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन राशि वालों के लिए 15 जून 2026 का राशिफल।15 मई, सोमवार को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि है। इसके अलावा इस दिन मिथुन संक्रांति का भी संयोग बना हुआ है। इस दिन सूर्य का राशि परिवर्तन मिथुन में होगा साथ ही चंद्रमा का गोचर वृषभ राशि में रहेगा। इसके साथ 15 मई को गजकेसरी राजयोग भी बनेगा। ऐसे में कई राशि वालों के लिए दिन बेहतर रहेगा। आय में इजाफा और अधूरे कार्यों में गति आएगी। करियर-कारोबार में बेहतर परिणाम की प्राप्ति होगी वहीं कुछ राशि वालों को थोड़ा संभलकर रहना होगा।

मेष
आज हर कदम सोच-समझकर बढ़ाने की जरूरत है, खासकर कारोबार और पैसों से जुड़े मामलों में। जल्दबाजी में लिया गया फैसला बाद में पछतावा दे सकता है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना और उनकी सेहत का ध्यान रखना रिश्तों में और मिठास घोलेगा। परिवार में चल रही कोई चिंता, खासकर संतान के विवाह को लेकर, धीरे-धीरे सुलझती दिखाई दे सकती है। आज बिना तैयारी किसी नए काम में हाथ डालने से बचें, क्योंकि आपकी सावधानी ही आपको बड़ी परेशानी से बचाएगी।

वृषभ
आज मेहनत का फल मिलने से मन संतुष्ट रहेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत महसूस होगी। घर में पूजा-पाठ या धार्मिक माहौल बनाने का मन हो सकता है। बच्चों की संगति पर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि छोटी लापरवाही आगे परेशानी बन सकती है। बेवजह की बहस से दूरी बनाए रखें, वरना मानसिक तनाव बढ़ सकता है। अचानक किसी जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आगे चलकर फायदेमंद साबित होगी।

मिथुन
आज मन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है और किसी पुराने कानूनी या जरूरी मामले को लेकर चिंता बनी रह सकती है। अच्छी बात यह है कि अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपके काम की तारीफ भी होगी। कोशिश करें कि अपने महत्वपूर्ण काम खुद संभालें, क्योंकि दूसरों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा नुकसान दे सकता है। अपनी निजी बातें हर किसी से साझा करने से बचें। आपके विचार और सुझाव लोगों को प्रभावित करेंगे, लेकिन हर मुस्कुराने वाला व्यक्ति आपका शुभचिंतक हो, यह जरूरी नहीं।

कर्क
आज दूसरों की मदद और अच्छे व्यवहार से समाज में आपकी पहचान मजबूत होगी। लंबे समय से रुकी चीजें धीरे-धीरे आगे बढ़ती नजर आएंगी। नौकरी और कार्यक्षेत्र में बोलचाल पर संयम रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि आपके शब्द ही रिश्तों को बना या बिगाड़ सकते हैं। आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। नई नौकरी या नए अवसर की तलाश कर रहे लोगों को भी उम्मीद की किरण दिखाई दे सकती है। धैर्य और समझदारी आज आपका सबसे बड़ा हथियार रहेगा।

सिंह
आज का दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नया करने का विचार मन में आएगा और यही बदलाव आगे सफलता का कारण बन सकते हैं। विद्यार्थी पढ़ाई और प्रतियोगिता में पूरी मेहनत से जुटे रहेंगे। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। परिवार में किसी शुभ कार्यक्रम की वजह से खुशियों का माहौल रहेगा। पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुश कर सकती है और सेवा या दान-पुण्य के कामों में भी रुचि बढ़ेगी।

कन्या
आज मेहनत और लगन आपका सबसे बड़ा सहारा बनेगी और अच्छे परिणाम भी दिलाएगी। जरूरतों और आराम की चीजों पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन इससे मन को संतोष मिलेगा। प्रेम संबंधों में मिठास बनी रहेगी और साथी के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने से नए लोगों से संपर्क बनेंगे और रुका हुआ काम आगे बढ़ने लगेगा।

तुला
आज प्रगति और समृद्धि के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। धन और सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन खुश रहेगा। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए नए रास्ते खोल सकती है। आपकी सकारात्मक सोच आपको हर परिस्थिति में आगे बढ़ाएगी। प्रॉपर्टी खरीदने या निवेश की योजना भी बन सकती है। परिवार से किया गया कोई वादा निभाना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बातों को महत्व मिलेगा और यात्रा के दौरान कोई खास जानकारी हाथ लग सकती है।

वृश्चिक
आज धैर्य और समझदारी से काम लेना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि जल्दबाज़ी नुकसान करा सकती है। आपका आत्मविश्वास और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। संतान के प्रति आपका सहयोग सराहा जाएगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने या छोटी यात्रा का मौका मिल सकता है, जिससे रिश्तों में ताजगी आएगी। नौकरी में सम्मान या पद बढ़ने से खुशी मिलेगी। विरोधियों से थोड़ा सतर्क रहें और मन की उलझनों को शांत करने के लिए खुद को समय दें।

धनु
आज समझदारी और संतुलन के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। व्यापार में फंसा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है, जिससे राहत महसूस होगी। संतान के करियर को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, लेकिन सही सलाह से रास्ता निकल आएगा। परिवार के बड़े सदस्य से कोई शुभ समाचार या उपहार मिल सकता है। काम के प्रति लापरवाही बिल्कुल न करें, क्योंकि आपकी मेहनत ही आपको पहचान दिलाएगी। पुराने मित्र से मुलाकात मन को हल्का और खुश कर सकती है।

मकर
आज धैर्य और शांति बनाए रखना आपके लिए सबसे ज्यादा जरूरी रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग भावनात्मक मजबूती देगा। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। कुछ अचानक खर्च सामने आ सकते हैं, इसलिए बजट संभालकर चलना बेहतर रहेगा। परिवार में चल रही कोई बहस या गलतफहमी खत्म होने से माहौल शांत होगा। माता की सेहत पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

कुंभ
आज लाभ के कई अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन जल्दबाज़ी से बचना जरूरी होगा। नौकरी या रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। योजनाबद्ध तरीके से किया गया काम सफलता दिलाएगा। किसी नए काम की शुरुआत का विचार मजबूत होगा, लेकिन निवेश सोच-समझकर करें। घर में किसी मेहमान के आने से रौनक और खुशी का माहौल बना रहेगा।

मीन
आज कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन आपकी आस्था और सकारात्मक सोच आपको संभाल लेगी। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। सेहत को नजरअंदाज करना परेशानी बढ़ा सकता है। यदि कर्ज लेने की योजना बना रहे थे, तो परिस्थितियां आपके पक्ष में बन सकती हैं। किसी भी काम में जल्दबाजी न करें, क्योंकि धैर्य से किया गया प्रयास ही सफलता देगा। मेहनत का फल जरूर मिलेगा और यात्रा के दौरान कोई खास जानकारी हाथ लग सकती है।

Aaj Ka Love Rashifal 15 June:
मेष और मकर राशि वालों के रिश्तों में आएगी मजबूती, जानें दैनिक प्रेम भविष्यफल

Love Rashifal 15 June 2026: सोमवती अमावस्या और मिथुन राशि में चंद्रमा के प्रभाव से कैसा रहेगा आपका प्रेम जीवन? जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का आज का लव राशिफल, रिश्तों, रोमांस और दांपत्य जीवन का हाल।15 जून 2026, सोमवार का दिन प्रेम संबंधों और भावनात्मक जुड़ाव के लिहाज से खास माना जा सकता है। आज सोमवती अमावस्या का पुण्य संयोग बन रहा है, वहीं चंद्रमा दिनभर मिथुन राशि में संचरण करेंगे, जिससे संवाद और भावनाओं की अभिव्यक्ति को बल मिलेगा।

मेष लव राशिफल (Aries Love Horoscope):
आज रिश्तों में स्पष्टता आने के संकेत हैं। लंबे समय से मन में चल रही कोई बात पार्टनर के साथ साझा कर सकते हैं। आपका स्नेह और ईमानदारी रिश्ते को मजबूत बनाएगी। सिंगल जातकों की किसी दिलचस्प व्यक्ति से बातचीत शुरू हो सकती है।

वृषभ लव राशिफल (Taurus Love Horoscope):
आज भावनात्मक रूप से थोड़ा संवेदनशील महसूस कर सकते हैं। हालांकि साथी का सहयोग और स्नेह आपको राहत देगा। रिश्तों में भरोसा बनाए रखें। अविवाहित लोगों को किसी पुराने परिचित से दोबारा जुड़ने का अवसर मिल सकता है।

मिथुन लव राशिफल (Gemini Love Horoscope):
आज आपकी बातचीत का अंदाज लोगों को प्रभावित करेगा। पार्टनर के साथ दिल की बातें साझा करने का अच्छा अवसर मिलेगा। प्रेम संबंधों में कोई नया मोड़ आ सकता है। सिंगल जातकों को अपनी भावनाओं को लेकर स्पष्ट रहने की जरूरत है।

कर्क लव राशिफल (Cancer Love Horoscope):
आज भावनाएं खुलकर व्यक्त करने का दिन है। पार्टनर के साथ आत्मीयता और समझ बढ़ेगी। रिश्तों में अपनापन महसूस होगा और एक-दूसरे के प्रति परवाह बढ़ेगी। प्रेम जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

सिंह लव राशिफल (Leo Love Horoscope):
रिश्तों में संतुलन बनाए रखने के लिए अहंकार से दूर रहें। आज आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों का ध्यान खींच सकता है। यदि किसी बात को लेकर मतभेद चल रहे हैं तो पहल करके उन्हें सुलझाने का प्रयास करें। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

कन्या लव राशिफल (Virgo Love Horoscope):
आज भावनाओं और तर्क के बीच संतुलन बनाना जरूरी होगा। पार्टनर के प्रति अपना विश्वास और स्नेह खुलकर व्यक्त करें। रिश्ते को लेकर गंभीर बातचीत हो सकती है। सिंगल लोगों के जीवन में कोई भरोसेमंद व्यक्ति प्रवेश कर सकता है।

तुला लव राशिफल (Libra Love Horoscope):
प्रेम संबंधों के लिए दिन काफी अनुकूल रहेगा। पार्टनर के साथ यादगार पल बिताने का अवसर मिल सकता है। आपकी सकारात्मक ऊर्जा और आकर्षण लोगों को प्रभावित करेगा। अविवाहित लोगों के लिए नए रिश्ते की संभावना बन सकती है।

वृश्चिक लव राशिफल (Scorpio Love Horoscope):
आज भावनाएं गहरी रहेंगी और आप अपने रिश्ते को लेकर गंभीर रहेंगे। हालांकि साथी पर जरूरत से ज्यादा अधिकार जताने से बचें। प्रेम जीवन में नई शुरुआत या पुराने रिश्ते में नई ऊर्जा आने के संकेत हैं।

धनु लव राशिफल (Sagittarius Love Horoscope):
आज प्रेम जीवन में खुशी और उत्साह बना रहेगा। पार्टनर के साथ हंसी-मजाक और खुशनुमा पल रिश्ते को मजबूत बनाएंगे। किसी खास योजना या सरप्राइज से दिन और यादगार बन सकता है। रोमांस के लिए समय अनुकूल है।

मकर लव राशिफल (Capricorn Love Horoscope):
आपका गंभीर और जिम्मेदार स्वभाव आज किसी को प्रभावित कर सकता है। पार्टनर के साथ भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा होने की संभावना है। रिश्ते में स्थिरता और विश्वास बढ़ेगा। विवाह संबंधी योजनाओं पर भी विचार हो सकता है।

कुंभ लव राशिफल (Aquarius Love Horoscope):
आज अपने विचार और भावनाएं स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की आवश्यकता होगी। गलतफहमी से बचने के लिए पार्टनर से खुलकर बात करें। रिश्तों में ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखने से संबंध मजबूत होंगे। सिंगल जातकों को जल्दबाजी से बचना चाहिए

मीन लव राशिफल (Pisces Love Horoscope):
आज पुरानी यादें और बीते रिश्ते मन में उभर सकते हैं। भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। वर्तमान रिश्ते को समय और महत्व दें। सिंगल लोगों के लिए आत्ममंथन और अपनी भावनाओं को समझने का दिन रहेगा।

IND A vs SL-A Live Score

श्रीलंका-ए के खिलाफ भारत-ए की पहले बल्लेबाजी वैभव सूर्यवंशी फिर सस्ते में निपटे

Live Cricket Score, India A vs Sri Lanka A (IND A vs SL A) 1st ODI: नमस्कार! अमर उजाला के लाइव ब्लॉग में आपका स्वागत है। भारत-ए की टीम फिलहाल श्रीलंका के दौरे पर है। वहां टीम श्रीलंका-ए और अफगानिस्तान-ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज खेली जा रही है। भारत का यह तीसरा मैच है। उसने एक जीता है और एक हारा है। भारत-ए और श्रीलंका-ए के बीच दांबुला में त्रिकोणीय सीरीज का चौथा मैच खेला जा रहा है।

भारत-ए ने श्रीलंका-ए के खिलाफ मुकाबले में 10.1 ओवर में दो विकेट पर 57 रन बना लिए हैं। शुरुआती झटकों के बावजूद कप्तान तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ क्रीज पर टिके हुए हैं और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। भारत-ए को पहला झटका विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के रूप में लगा, जो 13 गेंदों में 11 रन बनाकर मोहम्मद शिराज का शिकार बने। इसके बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए और 14 गेंदों में 21 रन बनाए। उनकी पारी में तीन चौके और एक छक्का शामिल रहा। हालांकि, वह साहन अराचिगे की गेंद पर आउट हो गए। दो विकेट गिरने के बाद रुतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभालने का जिम्मा उठाया है। वह 23 गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद हैं।

श्रीलंका-ए के गेंदबाजों का असर

श्रीलंका-ए की ओर से मोहम्मद शिराज ने सबसे किफायती गेंदबाजी की है। उन्होंने 5.1 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर एक विकेट लिया। वहीं कप्तान साहन अराचिगे ने भी एक सफलता हासिल की। भारत-ए के पास अभी आयुष बदोनी, सूर्यांश शेडगे, निशांत सिंधु और अनुकूल रॉय जैसे बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे टीम बड़े स्कोर की उम्मीद कर सकती है। वैभव से टीम को अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाजों ने उन्हें ज्यादा देर तक टिकने नहीं दिया। शुरुआती झटके के बाद भारत-ए के अन्य बल्लेबाज पारी को संभालने की कोशिश में जुटे हैं। मुकाबले पर दोनों टीमों की नजरें बनी हुई हैं, क्योंकि यह श्रृंखला युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। भारतीय टीम प्रबंधन भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर करीबी नजर रखे हुए है। ऐसे में आगामी मुकाबलों और बड़े टूर्नामेंटों के लिए चयन की दृष्टि से यह मैच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल के मैचों में शानदार प्रदर्शन के कारण वैभव से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन इस मुकाबले में वह अपनी प्रतिभा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। उनके जल्दी आउट होने के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर पारी को संभालने की जिम्मेदारी आ गई। भारत-ए के लिए यह मुकाबला युवा खिलाड़ियों की क्षमता परखने का महत्वपूर्ण अवसर है। चयनकर्ताओं की नजर भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर बनी हुई है। ऐसे में टीम के अन्य बल्लेबाजों से बड़ी साझेदारी और मजबूत स्कोर की उम्मीद की जा रही है।

दीप्ति शर्मा के 'पंजे' से पाकिस्तान चित: 106 रनों पर ऑलआउट हुई टीम महिला टी20 विश्वकप में भारत का विजयी आगाज

महिला टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में भारत ने शानदार जीत दर्ज की। पाकिस्तान को 64 रनों से हराकर टीम इंडिया ने जीत के साथ अपने अभियान का आगाज किया है। रविवार को खेले गए मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 170 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम सिर्फ 106 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। स्मृति मंधाना की तूफानी बल्लेबाजी और दीप्ति शर्मा-श्री चरणी की घातक गेंदबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान को 64 रन से करारी शिकस्त दी रविवार को बर्मिंघम में खेले गए ग्रुप-1 मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके, जबकि श्री चरणी ने तीन विकेट अपने नाम किए। वहीं, शेफाली वर्मा को एक सफलता मिली। विजयी आगाज किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को तेज शुरुआत मिली। शेफाली वर्मा ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, लेकिन वह छह रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स भी सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गईं और भारत ने 18 रन तक दो विकेट गंवा दिए। शुरुआती झटकों के बाद स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 91 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मंधाना ने 44 गेंदों पर 68 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें नौ चौके और दो छक्के शामिल रहे। वहीं हरमनप्रीत ने 35 गेंदों पर 36 रन बनाए। मंधाना के आउट होने के बाद भारती फुलमाली भी जल्दी पवेलियन लौट गईं, लेकिन अंतिम ओवरों में ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा ने तेजी से रन बटोरते हुए स्कोर को 170 तक पहुंचाया। ऋचा घोष ने मात्र 17 गेंदों पर 34 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था। दीप्ति शर्मा नौ गेंदों पर 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल और फातिमा सना ने दो-दो विकेट लिए।

171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट निकालकर मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली।

पाकिस्तान की ओर से सिर्फ मुनीबा अली ही संघर्ष कर सकीं। उन्होंने 35 गेंदों पर 41 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। पूरी पाकिस्तानी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने करियर की यादगार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 10 रन देकर पांच विकेट झटके। उनके अलावा श्री चरणी ने चार ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट लिए। शेफाली वर्मा को भी एक सफलता मिली। दीप्ति की घातक गेंदबाजी ने पाकिस्तान की वापसी की सारी उम्मीदें खत्म कर दीं। भारत का 170/6 का स्कोर महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ उसका अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। यह विश्व कप इतिहास में भारतीय महिला टीम का तीसरा सर्वोच्च स्कोर भी है। भारत इससे पहले 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 194/5 और 2024 में श्रीलंका के खिलाफ 172/3 का स्कोर बना चुका है। इस मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला टी20 विश्व कप इतिहास में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। मंधाना तीसरे स्थान पर हैं।

IND vs PAK: भारत-पाकिस्तान मैच का सबसे बड़ा टर्निंट प्वॉइंट क्या? दीप्ति से पहले इस बल्लेबाज ने कर दिया था खेल

भारत-पाकिस्तान महिला टी20 विश्व कप 2026 मुकाबले का सबसे बड़ा टर्निंग प्वॉइंट ऋचा घोष की 17 गेंदों में 34 रन की विस्फोटक पारी रही, जिसने आखिरी ओवरों में मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। ऋचा की तेज बल्लेबाजी से भारत ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद दीप्ति शर्मा की शानदार गेंदबाजी ने पाकिस्तान को 64 रन से हारने पर मजबूर कर दिया।

महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारत ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 64 रन से हराकर टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले में भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन मैच का सबसे बड़ा टर्निंग प्वॉइंट ऋचा घोष की विस्फोटक पारी साबित हुई। उनकी तेजतर्रार बल्लेबाजी ने न सिर्फ भारत के स्कोर को मजबूती दी, बल्कि पाकिस्तान पर मानसिक दबाव भी बना दिया।

क्या था मैच का सबसे बड़ा टर्निंग प्वॉइंट? भारतीय टीम एक समय 150 रन के आसपास सिमटती हुई नजर आ रही थी। 18 ओवर के बाद भारत का स्कोर 132 रन था और बड़े स्कोर की उम्मीद कम दिखाई दे रही थी। ऐसे समय पर ऋचा घोष ने मोर्चा संभाला और आखिरी दो ओवरों में मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ऋचा ने सिर्फ 17 गेंदों में 34 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने पांच चौके और एक छक्का लगाया। उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा। खास तौर पर 19वें ओवर में उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 रन बटोरे, जिससे भारतीय टीम का स्कोर तेजी से आगे बढ़ गया। 18 ओवर तक मुकाबला संतुलित नजर आ रहा था, लेकिन ऋचा की आक्रामक बल्लेबाजी ने पाकिस्तान की रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। उन्होंने गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाया और भारतीय पारी को मजबूत फिनिश दिलाई। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत आखिरी दो ओवरों में तेजी से रन नहीं बनाता, तो पाकिस्तान लक्ष्य का पीछा करते समय कहीं ज्यादा आत्मविश्वास के साथ उतरता। ऋचा की पारी ने लक्ष्य को चुनौतीपूर्ण बना दिया और पाकिस्तान शुरुआत से ही दबाव में दिखा।

आकाश चोपड़ा ने बताया गेम-चेंजर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी ऋचा घोष की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऋचा दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर्स में से एक हैं और अक्सर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालने का काम करती हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऋचा की निडर बल्लेबाजी और बड़े शॉट खेलने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय टीम के लिए ऋचा जैसा फिनिशर होना बड़ी ताकत है।

गेंदबाजों ने लगाई जीत पर मुहर

बल्लेबाजी में ऋचा घोष ने मैच का मोमेंटम भारत की ओर मोड़ा, जबकि गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। दीप्ति ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके और पाकिस्तान की बल्लेबाजी को बिखेर दिया। हालांकि स्कोरकार्ड में दीप्ति शर्मा का प्रदर्शन सबसे ज्यादा चमकता नजर आया, लेकिन मैच की दिशा बदलने वाला क्षण ऋचा घोष की वह विस्फोटक पारी रही, जिसने पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया। मैच की शुरुआत में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश की और शुरुआती विकेट लेकर मुकाबले को संतुलित रखा। हालांकि एक छोर पर भारतीय बल्लेबाज ने संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए टीम को संकट से बाहर निकाला। यही साझेदारी आगे चलकर निर्णायक साबित हुई।

मध्य ओवरों में बल्लेबाज ने न केवल रन गति को बनाए रखा, बल्कि खराब गेंदों का पूरा फायदा उठाते हुए विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव भी बनाया। उनकी पारी के कारण भारत सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उस समय यह साझेदारी नहीं होती तो मैच का परिणाम अलग हो सकता था। बल्लेबाजी के बाद भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पाकिस्तान की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी स्थिति में दिखाई दे रही थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मैच में वापसी कराई।

दीप्ति ने गेंद और बल्ले दोनों से प्रभाव छोड़ा और दबाव की परिस्थितियों में टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि मैच के बाद चर्चा इस बात की भी रही कि दीप्ति के प्रदर्शन से पहले भारतीय बल्लेबाज की संघर्षपूर्ण और जिम्मेदार पारी ने जीत की नींव रख दी थी। यही कारण रहा कि भारत मैच में नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहा। भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में अक्सर छोटे-छोटे क्षण निर्णायक बन जाते हैं और इस मैच में भी ऐसा ही देखने को मिला। एक अहम साझेदारी, दबाव में खेली गई पारी और फिर गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन भारत की जीत के प्रमुख कारण बने।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

Team India: गावस्कर ने भारतीय टीम के रवैये को सराहा बताया किस तरह बल्लेबाजों ने मुश्किल लक्ष्य को बनाया आसान

भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारत की टीम फर्स्ट रवैये को जमकर सराहा है। गावस्कर का कहना है कि अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे मैच में भारत ने जिस तरह लक्ष्य का पीछा किया वो सराहनीय है। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने धर्मशाला में बारिश से प्रभावित पहले वनडे में अफगानिस्तान के खिलाफ मुश्किल लक्ष्य को आसानी से हासिल करने के बाद भारत के टीम को प्राथमिकता देने के रवैए की प्रशंसा करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने मुकाबले को बेहद आसान बना दिया। बारिश से प्रभावित इस मैच को 25 ओवर का कर दिया गया था जिसे भारत ने सात विकेट से जीत कर तीन मैचों की सीरीज 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। गावस्कर ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय केएल राहुल ने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे पता चलता है कि खिलाड़ी व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सामूहिक सफलता पर विश्वास करते हैं। गावस्कर ने कहा, जिया उर रहमान ने अपने अंतिम ओवर से पहले तीन ओवरों में सिर्फ 19 रन दिए थे। राहुल ने उस ओवर में 20 रन बनाए। तब शुभमन गिल को शतक पूरा करने के लिए 21 रन की जरूरत थी और टीम को जीत के लिए लगभग 30 रन चाहिए थे। ऐसे में राहुल ने मोर्चा संभाला। इससे पता चलता है कि खिलाड़ी व्यक्तिगत उपलब्धियों की बजाय टीम को अधिक महत्व देते हैं। यह इससे जुड़ा है कि प्रत्येक खिलाड़ी टीम के लिए क्या कर सकता है। 23वें ओवर में मैच जीतने से पता चलता है कि कितनी अच्छी तरह से लक्ष्य का पीछा किया गया। यह आसान लक्ष्य नहीं था लेकिन उन्होंने इसे आसान बना दिया क्योंकि उन्होंने टीम को प्राथमिकता दी। भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। शनिवार को धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में बारिश ने खलल डाली थी, जिसकी वजह से मैच शुरू होने में देरी हुई। अंपायर्स ने ओवरों में कटौती के बाद मैच 25-25 ओवर कराने का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने रहमानुल्लाह

गुरबाज की शतकीय पारी की मदद से 24.5 ओवर में 10 विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 22.5 ओवर में तीन विकेट पर 195 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया के लिए शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेली। वह 66 गेंदों में 84 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, केएल राहुल भी 19 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 39 रन की नाबाद पारी खेलने में कामयाब हुए।

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300